

क्षेत्र की परिभाषा

क्षेत्र **पृथ्वी की सतह पर** स्थित एक ऐसा इलाका है जिसकी कुछ निश्चित विशेषताएं होती हैं जो **अंदर से समरूप होती हैं** और **बाहर से भिन्न होती हैं**।

किसी **क्षेत्र को पृथ्वी की सतह के** उस भाग के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें एक या अनेक समान विशेषताएँ होती हैं जो उसे **अन्य क्षेत्रों से अलग** बनाती हैं । क्षेत्रीय भूगोल , संस्कृति, अर्थव्यवस्था, स्थलाकृति, जलवायु, राजनीति और पर्यावरणीय कारकों जैसे कि वनस्पतियों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों से संबंधित **स्थानों की विशिष्ट विशेषताओं का अध्ययन करता है ।**

क्षेत्र की अवधारणा सामान्यतः **स्थान से जुड़ी होती है** और इसमें **स्थानिक आयाम** होते हैं ।

इसे कभी-कभी ' **व्यक्तिपरक** ' (एक 'मानसिक संरचना') या ' **स्थानहीन** ' के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। हालाँकि, अधिकांश भूगोलवेत्ताओं के लिए, **क्षेत्र एक वस्तुनिष्ठ वास्तविकता है जो स्थान से जुड़ी होती है और जिसे स्थान के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है।**

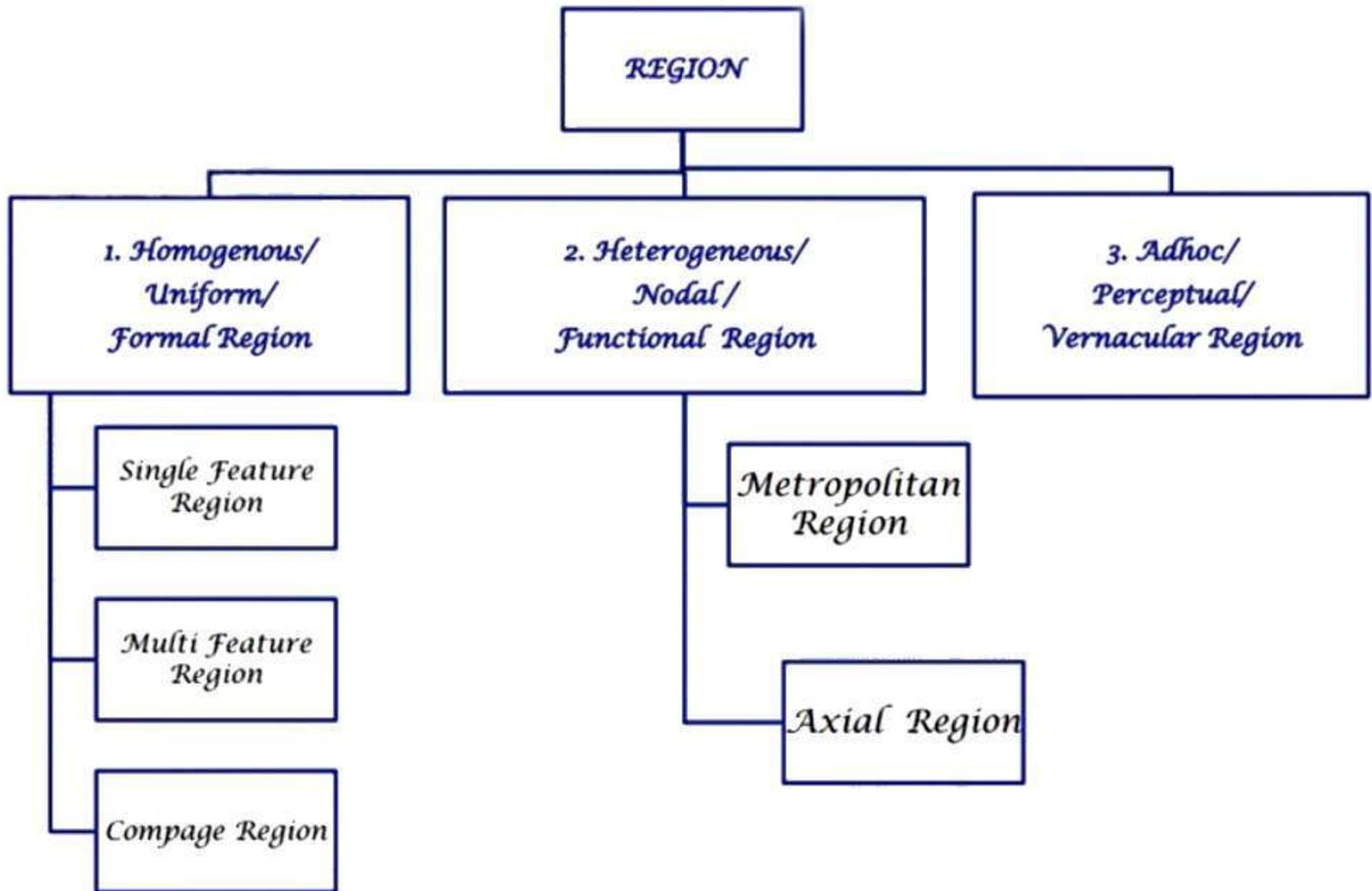
कभी-कभी किसी जिले के एक हिस्से (कभी-कभी तो एक गाँव भी) को क्षेत्र कहा जाता है, **कभी-कभी एक जिले , एक राज्य, राज्यों के समूह को क्षेत्र माना जाता है।**

भूगोलविदों द्वारा दी गई कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएँ नीचे दी गई हैं:

- यह क्षेत्र पृथ्वी की सतह का एक भाग है। – **टेलर**
- क्षेत्र पृथ्वी की सतह का वह इकाई क्षेत्रफल है जिसे उसकी विशिष्ट विशेषताओं द्वारा अलग किया जाता है। – **एफ.जे. मॉकहाउस**
- क्षेत्र एक भौगोलिक क्षेत्र या क्षेत्र समूह है जिसे किसी सभ्यता या जनमानस के मानक के अनुसार भौतिक संसाधनों के माध्यम से आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए आवश्यक प्रतीत होता है। – **सी. एरोनोविक**
- पृथ्वी की सतह पर कोई भी सतह जहाँ भौतिक परिस्थितियाँ समरूप हों, क्षेत्र कहलाती है। – **वूल्फगैंग और जोर्ग**
- क्षेत्र वास्तविक इकाइयाँ हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने पड़ोसियों से प्राकृतिक और सांस्कृतिक भिन्नता को व्यक्त करती है। – **जीटी रैनर**
- “एक क्षेत्र भूमि, जल, वायु, वनस्पति, पशु और मनुष्य का एक ऐसा समूह है, जिसे उनके स्थानिक संबंधों के आधार पर पृथ्वी की सतह के एक निश्चित भाग के रूप में माना जाता है।” – **ए. जे. हर्बर्टसन**
- “क्षेत्र एक ऐसा दायरा है जहाँ कई भिन्न-भिन्न चीजों को कृत्रिम रूप से एक साथ लाया जाता है और वे बाद में एक सामान्य अस्तित्व को अपना लेती हैं।” – **विदाल-डे-ला-ब्लाचे**
- “क्षेत्र एक विशिष्ट स्थान वाला इलाका होता है जो किसी न किसी रूप में अन्य इलाकों से बहुत अलग होता है और यह इलाका उस अंतर की सीमा तक फैला होता है।” – **रिचर्ड हार्टशोर्न**
- “क्षेत्र वह इलाका है जिसके भीतर पर्यावरण और जनसांख्यिकीय कारकों के संयोजन से आर्थिक और सामाजिक संरचना में एकरूपता स्थापित होती है।” – **टीटी वूफर**

क्षेत्र का वर्गीकरण

क्षेत्रों के तीन मुख्य प्रकार हैं औपचारिक, कार्यात्मक और स्थानीय क्षेत्र।



औपचारिक क्षेत्र

- एक **औपचारिक क्षेत्र** एक ऐसा भौगोलिक क्षेत्र होता है जो एक निर्दिष्ट मानदंड के भीतर समरूप और एकसमान होता है। यह निर्दिष्ट मानदंड भौतिक, सामाजिक या राजनीतिक हो सकता है। उदाहरण – हिमालयी क्षेत्र, उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र, आदि।
- एक औपचारिक क्षेत्र को एकसमान या समरूप क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सभी लोग एक या एक से अधिक विशिष्ट विशेषताओं को साझा करते हैं। यह साझा विशेषता कोई सांस्कृतिक मूल्य हो सकती है, जैसे भाषा, कोई आर्थिक गतिविधि, जैसे किसी विशेष फसल का उत्पादन, या कोई पर्यावरणीय गुण, जैसे जलवायु और मौसम के पैटर्न। साझा विशेषता चाहे जो भी हो, वह चयनित क्षेत्र में हर जगह मौजूद होती है।
- कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में, यह विशेषता सार्वभौमिक होने के बजाय प्रमुख हो सकती है, जैसे कि उत्तरी अमेरिका में गेहूं पट्टी; यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्रमुख फसल गेहूं है, लेकिन यहां अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं।
- इसे आगे 'एकल विशेषता क्षेत्र' (जैसे भारत के भौगोलिक क्षेत्र), 'बहु-विशेषता क्षेत्र' (जैसे संसाधन क्षेत्र या योजना क्षेत्र) और 'समूह क्षेत्र' (जैसे विश्व के कृषि क्षेत्र) में विभाजित किया गया है।
- **व्हिटलेसी (1956) ने 'कम्पाज क्षेत्र' को एक समान क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया**, जहां भौतिक, जैविक और सामाजिक पर्यावरण की सभी विशेषताएं कार्यात्मक रूप से मानव अधिवास से जुड़ी होती हैं।

कार्यात्मक क्षेत्र

- एक कार्यात्मक क्षेत्र जो कुछ मानदंडों के आधार पर परिभाषित किए जाने पर एक निश्चित कार्यात्मक सामंजस्य, भागों की परस्पर निर्भरता प्रदर्शित करता है, उसे कार्यात्मक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।
- एक कार्यात्मक क्षेत्र, जिसे नोडल क्षेत्र भी कहा जाता है, एक नोड या केंद्र बिंदु के चारों ओर संगठित होता है। इसे कभी-कभी ध्रुवीकृत क्षेत्र भी कहा जाता है और यह शहरों, कस्बों और गांवों जैसी विषम इकाइयों से मिलकर बना होता है जो कार्यात्मक रूप से परस्पर संबंधित होती हैं। उदाहरण - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र।
- किसी कार्यात्मक क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए चुनी गई विशेषता केंद्रीय बिंदु या नोड पर हावी होती है और बाहर की ओर इसका महत्व कम होता जाता है।
- यह क्षेत्र परिवहन, संचार प्रणालियों या आर्थिक या कार्यात्मक संबंधों के माध्यम से केंद्रीय बिंदु से जुड़ा हुआ है।
- कार्यात्मक संबंध प्रकृति और मात्रा में लगातार बदलते रहते हैं।
- किसी अखबार का वितरण क्षेत्र कार्यात्मक क्षेत्र का एक उदाहरण है। यह क्षेत्र उस शहर के आसपास केंद्रित होता है जहां अखबार प्रकाशित होता है। वितरण क्षेत्र से जितनी दूर जाएंगे, अखबार पढ़ने वालों की संख्या उतनी ही कम होगी (इस घटना को दूरी क्षय के रूप में जाना जाता है)।

स्थानीय क्षेत्र

- एक "स्थानीय क्षेत्र" एक विशिष्ट इलाका होता है जहाँ के निवासी सामूहिक रूप से स्वयं को एक साझा इतिहास, आपसी हितों और एक समान पहचान से जुड़ा हुआ मानते हैं। ऐसे क्षेत्र "बौद्धिक आविष्कार" होते हैं और चीजों, लोगों और स्थानों की पहचान करने का एक संक्षिप्त तरीका होते हैं।
- स्थानीय भाषा वाले क्षेत्र " **स्थान की भावना** " को दर्शाते हैं, लेकिन शायद ही कभी स्थापित न्यायिक सीमाओं के साथ मेल खाते हैं।
- एक स्थानीय क्षेत्र, जिसे **अवधारणात्मक क्षेत्र या तदर्थ क्षेत्र** के रूप में भी जाना जाता है , एक ऐसा स्थान है जहां लोग अपनी सांस्कृतिक पहचान के हिस्से के रूप में मौजूद होते हैं।
- ये क्षेत्र हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होते हैं। ये व्यक्ति की अनौपचारिक स्थान-बोध से उत्पन्न होते हैं। स्थानीय भाषा में वर्णित क्षेत्र का एक उदाहरण सांस्कृतिक क्षेत्र या संक्रमणकालीन क्षेत्र, पिछड़े क्षेत्र आदि हो सकते हैं।

एक नियोजन क्षेत्र को एक ऐसे भौगोलिक क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जहाँ क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए विकास योजना का निर्माण और कार्यान्वयन संभव हो। यह औपचारिक और कार्यात्मक दोनों प्रकार का हो सकता है और आमतौर पर परिवर्तनशील प्रकृति का होता है: उदाहरण - दिल्ली महानगर क्षेत्र।